

भारत सरकार  
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. \*166 जिसका उत्तर  
शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

तमिलनाडु में वीओसी पोर्ट पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल

+ \*166. श्री दयानिधि मारन :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) तमिलनाडु में वी.ओ. चिदंबरनार (वीओसी) पोर्ट पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल परियोजना की घोषणा के बाद से इसकी स्थिति क्या है;
- (ख) उक्त परियोजना कब तक शुरू होने की संभावना है और इसके पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है;
- (ग) वीओसी पोर्ट को देश के पूर्वी तट पर एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में स्थापित करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं / किए जाने का प्रस्ताव है;
- (घ) वीओसी पोर्ट पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा की वर्तमान स्थिति और इस प्रयोजन हेतु अभिनिर्धारित भूमि के उपयोग की स्थिति क्या है;
- (ङ) क्या एनटीपीसी ने उक्त पोर्ट पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा पर काम शुरू कर दिया है और यदि हां, तो उसकी स्थिति सहित ब्यौरा क्या है; और
- (च) देश में आउटर हार्बर टर्मिनल और ग्रीन हाइड्रोजन पहल जैसी बड़े स्तर की परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव की निगरानी और उसे कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं/ किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर  
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री  
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (च): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

“तमिलनाडु में वीओसी पोर्ट पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल ” के संबंध में श्री दयानिधि मारन द्वारा पूछे गए दिनांक 06.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. \*166 के उत्तर के भाग (क) से (च) तक में संदर्भित विवरण

---

(क) से (ख): केंद्र सरकार द्वारा 21.02.2024 को परियोजना प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण (वी.ओ.सी.पी.ए.) द्वारा 22.02.2024 को परियोजना के लिए निविदा जारी की गई थी और 01.07.2024 को खोली गई थी। अयोग्य बोलियों के कारण, 30.10.2024 को निविदा रद्द कर दी गई। वी.ओ.सी.पी.ए. द्वारा 02.12.2024 को पुनः निविदाएं आमंत्रित की गईं। चरण-I के निर्माण और कार्य शुरू होने की अवधि रियायत सौंपे जाने की तिथि से 36 (छत्तीस) महीने है। सुविधा के चरण-II की निर्माण अवधि 24 महीने है, जिसे चरण-I के पूरा होने के 5 साल बाद शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

(ग): वी.ओ.सी.पी.ए. को एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब बनाने के लिए उठाए गए कदमों में प्रति वर्ष 6 लाख टीईयू की संवर्धित क्षमता के साथ बर्थ सं. 9 को कंटेनर टर्मिनल के रूप में परिवर्तित करना, 14.2 मीटर डुबाव तक डॉक बेसिन के लिए ड्रेजिंग कार्य को सौंपना और पत्तन के प्रवेश द्वार, टर्निंग सर्कल और चैनल पैच के हिस्सों को चौड़ा करना शामिल है। वी.ओ.सी. पत्तन 22,000 टीईयू तक के गहरे डुबाव वाले जलयानों की हैंडलिंग के लिए 4 मिलियन टीईयू क्षमता के साथ आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल का विकास कर रहा है, जो कि एक ट्रांसशिपमेंट हब संस्थापित करने संबंधी प्रमुख आवश्यकताओं में से एक है। इस परियोजना को 1950 करोड़ रु. या सबसे कम उद्धृत वीजीएफ के व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के माध्यम से समर्थन दिया गया है। इस परियोजना के लिए चुना गया स्थान वी.ओ.सी.पी.ए. है, जो कार्यनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय नौवहन लेन और संस्थापित ट्रांसशिपमेंट हब, अर्थात् कोलंबो के निकट स्थित है।

(घ): वी.ओ.सी.पी.ए. द्वारा पत्तन क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन/अमोनिया उत्पादन और भंडारण के विकास के लिए 4 विभिन्न एजेंसियों को लगभग 501 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। एजेंसियों ने सर्वेक्षण, योजना की तैयारी आदि जैसी प्रारंभिक गतिविधियां शुरू कर दी हैं।

(ङ): एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) द्वारा हरित हाइड्रोजन हब और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के दौरान वी.ओ.सी.पी.ए. के साथ एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(च): सभी नई परियोजनाओं के लिए संबंधित प्राधिकरणों से पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) मंजूरीयां प्राप्त की जाती हैं।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा 10.05.2023 को “हरित सागर” हरित पत्तन दिशा-निर्देश शुरू किए गए हैं, ताकि महापत्तनों पर कार्बन फुटप्रिंट, प्रदूषण में कमी और पर्यावरणीय निष्पादन संकेतकों के लिए निगरानी तंत्र के विकास द्वारा सतत विकास करने के लिए महापत्तनों को एक फ्रेमवर्क प्रदान किया जा सके।